दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT)
कला स्नातक (हिन्दी) तृतीय वर्ष

आवश्यक निर्देश :-

- **विद्यार्थी प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT) के मुख्य पृष्ठ पर अपना नाम, माता-पिता का नाम, अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या, मोबाइल एवं WhatsApp नंबर, पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण साफ़ व स्पष्ट शब्दों में लिखें।**
- **प्रत्येक विषय में 30 अंकों का प्रदत्त कार्य कार्य दिया जाएगा।**
- **HIND 301 एवं HIND 304 के अंतर्गत दो प्रदत्त कार्य दिए जायेंगे जो 15-15 अंकों में विभक्त होंगे।**
- **HIND 305 एवं HIND 306 के अंतर्गत तीन प्रदत्त कार्य दिए जायेंगे जो 10-10 अंकों में विभक्त होंगे।**

क्र.सं	विषय क्रमांक	विषय	प्रदत्त कार्य-1 अंक	प्रदत्त कार्य-2 अंक	प्रदत्त कार्य-3 अंक	कुल योग
1	HIND 301	रंग आलेख एवं रंगमंच	15	15	-	30
2	HIND 304	समाचार संकलन और लेखन	15	15	-	30
3	HIND 305	लोक साहित्य	10	10	10	30
4	HIND 306	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	10	10	10	30

नोट – प्रदत्त कार्य (Assignments) निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें

Director of ICDEOL
Himachal Pradesh University
Summerhill, Shimla, 171005

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य-

(ASSIGNMENT-)

नाम –

माता का नाम –

पिता का नाम –

अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या -

सत्र –

कार्यक्रम –

विषय शीर्षक –

विषय क्रमांक –

मोबाइल नं. –

दिनांक –

प्राप्तकर्ता –

कला स्नातक तृतीय वर्ष

विषय – (HIND 301) रंग आलेख एवं रंगमंच

प्रदत्त कार्य-1 (केवल तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 नाटक से क्या अभिप्राय है ? नाटक के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्र०2 रेडियो नाटक का अर्थ एवं परंपरा को दर्शाते हुए रेडियो नाटक कैसे लिखा जाता है ? स्पष्ट करें।

प्र०3 हिन्दी नाटक की विकास परंपरा का विवेचन कीजिए।

प्र०4 हिन्दी नाटकों की पौराणिक-ऐतिहासिक प्रवृत्ति का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र०5 एब्सर्ड नाटक के इतिहास का परिचय देते हुए हिन्दी के एब्सर्ड नाटकों पर प्रकाश डालिए।

कुल अंक 5+5+5=15

प्रदत्त कार्य-2 (केवल तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 हिन्दी के प्रमुख नाटक एवं उनके नाटककारों का परिचय दीजिए।

प्र०2 हिन्दी क्षेत्र की रंगशालाओं तथा संस्थाओं का वर्णन कीजिए।

प्र०3 निर्देशन क्या होता है ? रंग-शिल्प में इसकी उपयोगिता बताइए।

प्र०4 रंग-आलेख से क्या अभिप्राय है ? इसकी प्रविधि तथा प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

प्र०5 रंग समीक्षा के क्या तात्पर्य है ? रंग समीक्षा का महत्त्व बताते हुए इसके मापदंडों पर प्रकाश डालिए।

कुल अंक 5+5+5=15

कला स्नातक तृतीय वर्ष

विषय – (HIND304) समाचार संकलन और लेखन

प्रदत्त कार्य-1 (केवल तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 समाचार की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्र०2 समाचार लेखन के सिद्धांतों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्र०3 खोजी समाचार अथवा खोजी पत्रकारिता से क्या तात्पर्य है ? विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्र०4 संवाददाता की भूमिका, योग्यता एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।

प्र०5 न्यायपालिका की रिपोर्टिंग से क्या अभिप्राय है ? इसकी सावधानियों का विवेचन कीजिए।

कुल अंक 5+5+5=15

प्रदत्त कार्य-2 (केवल तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 रेडियो माध्यम का परिचय देते हुए रेडियो समाचार की संरचना पर प्रकाश डालिए।

प्र०2 टेलीविजन के इतिहास एवं भारत में दूरदर्शन के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

प्र०3 संपादक से क्या अभिप्राय है ? संपादक एवं उप- संपादक के कार्यों का विवेचन कीजिए।

प्र०4 शीर्षक लेखन कला अथवा शीर्षक लेखन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

प्र०5 रिपोर्टिंग कला है या विज्ञान ? कथन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

कुल अंक 5+5+5=15

कला स्नातक तृतीय वर्ष

विषय – (HIND 305) लोक साहित्य

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 लोक साहित्य को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्र०2 लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

प्र०3 लोक साहित्य के विविध रूपों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र०4 संस्कार गीतों से क्या अभिप्राय है ? विभिन्न प्रकार के संस्कार गीतों का परिचय दीजिए।

कुल अंक 5+5=10

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 भारतीय लोकनाट्य परंपरा का विवेचन कीजिए।

प्र०2 लोकनाट्य के रूप में कथकली तथा उसके मंचन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र०3 नाग कथा से क्या तात्पर्य है ? विभिन्न प्रकार की नाग कथाओं का परिचय दीजिए।

प्र०4 लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

कुल अंक 5+5=10

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 लोकगाथा की भारतीय परंपरा का परिचय दीजिए।

प्र०2 राजा भर्तृहरि की लोकगाथा एवं उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

प्र०3 महासती सूरमी की लोकगाथा का परिचय दीजिए।

प्र०4 रानी सुनैना की बलिदान गाथा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

कुल अंक 5+5=10

कला स्नातक तृतीय वर्ष

छायावादोत्तर हिंदी कविता

कोर्स कोड़ : **HIND 306**

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 5, 5 = 10

1 अज्ञेय का जीवन परिचय लिखिए।

2 मुक्तिबोध का जीवन परिचय लिखिए।

3 नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

4 शमशेर बहादुर सिंह की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 5, 5 = 10

1 नागार्जुन का जीवन परिचय लिखिए।

2 मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

3 शमशेर बहादुर सिंह का जीवन परिचय लिखिए।

4 अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 5, 5 = 10

1 भवानी प्रसाद मिश्र का जीवन परिचय लिखिए।

2 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जीवन परिचय लिखिए।

3 कुंवर नारायण का जीवन परिचय लिखिए।

4 केदारनाथ सिंह का जीवन परिचय लिखिए।